Expt.No.

Page No. 1
Date.

हिंदी

1.) (क) कबीर की भक्ति में पूर्ण समपूर्ण और शरणागति का भाव है। सिद्ध कीजिए।

उत्तर- कबीर की भक्ति में पूर्ण समर्पण और शरणागति का भाव है। वे ईश्वर के अतिरिक्त संसार को निरर्थक मानते थे। ईश्वर के प्रेम में वे हमेशा डूबे रहते थे। उन्होंने अपने दोहे में 'लाल' शब्द का प्रयोग निर्गुण- निराकार ईश्वर और 'लाली' शब्द का प्रयोग उसकी सत्ता के रूप में किया है। अंत में कबीर स्वंय को ईश्वर में विलीन कर लेते हैं और प्रेम की पराकाष्ठा दिखाते हैं।

2.) (ख) डॉ. रघुवंश के जीवन से आपको क्या प्रेरणा मिलती है? 'जिजीविषा की विजय' पाठ के आधार पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर- डॉ रघुवंश के जीवन से हमें जिजीविषा साहस और आत्मविश्वास की प्रेरणा मिलती है जैसा कि 'जिजीविषा की विजय' पाठ से पता चलता है, दोनों हाथों से निर्बल होने के बावजूद उन्होंने पैरों से लिखना सीखकर उत्कृष्ट साहित्य की रचना की। उनका जीवन उत्साह, दृढ़ संकल्प और संघर्षशीलता का उदाहरण है जो हमें सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियों में भी हार न मानकर अपने लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहना चाहिए।

PREMIUM

SUCCESSFUL

Teacher's Signature.....